



सरकारी गजट, उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की

खण्ड-7] रुड़की, शनिवार, दिनांक 11 मार्च, 2006 ई० (फाल्गुन 20, 1927 शक सम्वत्) [संख्या-10

विषय-सूची

प्रत्येक भाग के पृष्ठ अलग-अलग दिये गए हैं, जिससे उनके अलग-अलग खण्ड बन सकें

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्द्रा
सम्पूर्ण गजट का मूल्य	---	₹0 3075
भाग 1-विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस	123-127	1600
भाग 1-क-नियम, कार्य-विधियाँ, आज्ञाएं, विज्ञापितियाँ इत्यादि जिनको उत्तरांचल के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया	35-38	1500
भाग 2-आज्ञाएं, विज्ञापितियाँ, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञापितियाँ, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों के उद्धरण	---	975
भाग 3-स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइड एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा पंचायतीराज आदि के निर्देश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया	---	975
भाग 4-निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तरांचल	---	975
भाग 5-एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तरांचल	---	975
भाग 6-बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किए गए या प्रस्तुत किए जाने से पहले प्रकाशित किए गए तथा सिलेक्ट कमेटीयों की रिपोर्ट	---	975
भाग 7-इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञापितियाँ	---	975
भाग 8-सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि	---	975
स्टोर्स पर्चेज-स्टोर्स पर्चेज विभाग का क्रोड-पत्र आदि	---	1425

भाग 1

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस

सामान्य प्रशासन विभाग

कार्यालय-झाप

25 फरवरी, 2006 ई०

संख्या 176/XXXI(13)-2(i)/2005-सामान्य प्रशासन विभाग के कार्यालय-झाप संख्या 338/एक-4/2002, दिनांक 28-11-2002 एवं विज्ञप्ति संख्या 96/सा0प्रशा0/2003, दिनांक 26-02-2003 जिसके अन्तर्गत उत्तरांचल राज्य की राजधानी हेतु उपयुक्त स्थान के चयन के सम्बन्ध में गठित एकल सदस्यीय चयन आयोग को पुनर्जीवित करते हुए आयोग के अध्यक्ष द्वारा कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से आयोग का कार्यकाल छ माह के लिए निर्धारित किया गया है एवं कार्यालय झाप सं० 149/XXXI(13)-2(i)/2005, दिनांक 07 मार्च, 2005 जिसके अन्तर्गत अन्तिम बार आयोग की अवधि 30-04-2006 तक बढ़ाई गयी है के क्रम में श्री राज्यपाल महोदय उक्त कार्यालय झाप में इमित शर्मा के अधीन आयोग का कार्यकाल दिनांक 01-05-2006 से 31-12-2006 तक पुनः बढ़ाये जाने की स्वीकृति प्रदात करते हैं।

2-आयोग से अपेक्षित है कि वे दिसम्बर, 2006 तक अपनी रिपोर्ट शासन को उपलब्ध करा दे।

आज्ञा से,

एम० रामचन्द्रन,
मुख्य सचिव।

गृह अनुभाग-5

अधिसूचना

प्रोन्नति

03 मार्च, 2006 ई०

संख्या 24/XX(5)/06-01 अभि०/06-एतद्वारा श्री सुभाष चन्द्र गुप्ता, ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी, नैनीताल को वेतनमान रु० 10,000-15,200 में मुख्य अभियोजन अधिकारी, उच्च न्यायालय, नैनीताल के रिक्त पद पर पदोन्नत करते हुए कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से दो वर्ष की परीक्षा पर नियुक्त किया जाता है।

विभा पुरी दास,
प्रमुख सचिव।

गृह विभाग

अधिसूचना

(शक्ति)

06 मार्च, 2006 ई०

संख्या 599/XX(1)/109/वि०परी०/2004-दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (अधिनियम संख्या 2, सन् 1974) की धारा 21 द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके, राज्यपाल महोदय, हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, गढ़वाल उत्तरांचल द्वारा संचालित मुख्य परीक्षाओं के लिए, जनपद धमोली, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, टिहरी गढ़वाल, देहरादून व हरिद्वार के समस्त परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों को 17 मार्च, 2006 से 31 मई, 2006 के तक की अवधि के लिए विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट, नियुक्त करते हुए सम्बन्धित परीक्षा केन्द्रों की सीमा के भीतर कार्यपालक मजिस्ट्रेट को प्रदत्त की जाने वाली सभी शक्तियों को प्रयोग करने की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 599/XX(1)/109/Mics. Exam/2004, dated March 06, 2006 for general information :

NOTIFICATION

(Power)

March 06, 2006

No. 599/XX(1)/109/Mics. Exam/2004--In exercise of the powers conferred under section 21 of the Criminal Procedure Code, 1973 (Act no. 2 of 1974), the Hon'ble Governor is pleased to appoint the Superintendents of all the Examination Centres in the District Chamoli, Pauri Garhwal, Rudraprayag, Uttarkashi, Tehri Garhwal, Dehradun and Hardwar, for the Main Examinations being conducted by Hemwati Nandan Bahuguna Garhwal University, Srinagar, Garhwal, Uttaranchal as Special Executive Magistrates and confer all such powers on them with in the limit of concerning Examination Centres under the said Code for the period beginning from 17th March, 2006 to 31st May 2006.

अधिसूचना

(प्रकीर्ण)

06 मार्च, 2006 ई०

संख्या 600/XX(1)/326/2004-समय-समय पर यथा संशोधित पुलिस अधिनियम, 1861 (अधिनियम संख्या 5, सन् 1861) (यथा उत्तरांचल में प्रवृत्त) की धारा 34 की उपधारा (1) के द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके श्री राज्यपाल नीचे अनुसूची में उल्लिखित जिले के मेला क्षेत्र के लिए उक्त अधिनियम की धारा 34 की उपधारा (1) के उपबन्धों का विस्तार करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

अनुसूची

क्र०सं०	जिले का नाम	मेला का नाम	मेला का स्थान	अवधि
1	2	3	4	5
1.	चम्पावत	श्री पूर्णागिरि मेला, 2006	एस०एस०बी० बैरियर डूम से मन्दिर तक लोक निर्माण विभाग के मोटर मार्ग एवं पैदल मार्ग के दोनों ओर 100-100 मीटर के भूभाग, तुलीगाड़ से भैरव मन्दिर तक जिला पंचायत के पैदल मार्ग के दोनों ओर का 100-100 मीटर एवं तुलीगाड़ कार पार्किंग बैरियर से जिला पंचायत बाइपास मार्ग के दोनों ओर 100-100 मीटर के अन्तर्गत का सम्पूर्ण मेला क्षेत्र घोषित किया गया है।	17.03.2006 से 17.05.2006 तक

आज्ञा से,

विमा पुरी दास,
प्रमुख सचिव, गृह।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 600/XX(1)/326/2004, dated March 06, 2006 for general information :

NOTIFICATION

Miscellaneous

March 06, 2006

No. 600/XX(1)/326/2004--In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 34 of the Police Act, 1861 (Act no. 5 of 1861), as amended from time to time (as applicable to Uttaranchal), the Governor is pleased to extend the provisions of sub-section (1) of section 34 of the said Act for the Fair area as mentioned in the Schedule below--

SCHEDULE

Sl. no.	Name of the District	Name of the Fair	Place of the Fair	Period
1	2	3	4	5
1.	Champawat	Shree Poornagiri Fair, 2006	The entire area of the Shree Poornagiri Fair, the entire area from S.S.B. Barrier Boom to Temple 100 mtrs. on both sides of the P.W.D. Motor road and pedestrian road and 100 mtrs. on both sides of the district board pedestrian road from Thooligarh upto Bhairon Temple and 100 mtrs. on both sides area from Thooligarh car parking barrier to district board bypass road.	17-03-2006 to 17-05-2006

By Order,

VIBHA PURI DAS,

Principal Secretary, Home.

औद्योगिक विकास अनुभाग-1

कार्यालय-ज्ञाप

02 मार्च, 2006 ई०

संख्या 519/VII-1/96-ख/2003-भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तरांचल, देहरादून में सर्वेक्षक वेतनमान रु० 4,500-7,000 के पद पर तैनात श्री महेश चन्द्र जोशी को वेतनमान रुपये 8,000-13,500 में अधिकारी सर्वेक्षक के रिक्त पद पर चयन वर्ष 2003-04 के सापेक्ष कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से श्री राज्यपाल महोदय पदोन्नति करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

यह पदोन्नति उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत भारत सरकार से कार्मिकों के अंतिम आवंटन के अधीन होगी अर्थात् अन्यथा की स्थिति में उक्त पदोन्नति परिवर्तित/परिवर्द्धित की जा सकेगी।

पदोन्नति के फलस्वरूप श्री जोशी की तैनाती भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, मुख्यालय, देहरादून में की जाती है।

आज्ञा से,

संजीव चोपड़ा,
सचिव।

शिक्षा अनुभाग-1

अधिसूचना

28 फरवरी, 2006 ई०

संख्या 4/शिक्षा/विविध/2006-प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए बी०टी०सी० प्रवेश परीक्षा आयोजित करने हेतु भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के लोक उपक्रम एजुकेशनल कंसल्टेंट ऑफ इण्डिया लिमिटेड (EdCIL) को उत्तरदायित्व सौंपा गया था। दिनांक 26 फरवरी, 2006 को आयोजित बी०टी०सी० प्रवेश परीक्षा के प्रवेश-पत्र परीक्षा तिथि से पूर्व परीक्षार्थियों तक EdCIL द्वारा पहुँचाये जाने थे और जिन परीक्षार्थियों को प्रवेश-पत्र नहीं पहुँच पाये उन्हें EdCIL द्वारा दिनांक 25 फरवरी, 2006 को राज्य के 28 केन्द्रों पर डुप्लीकेट प्रवेश-पत्र वितरण किया जाना था। दिनांक 25 फरवरी, 2006 को इन 28 केन्द्रों पर बहुत बड़ी संख्या में परीक्षार्थी डुप्लीकेट प्रवेश-पत्र प्राप्त करने के लिए आए, जिन्हें मूल प्रवेश-पत्र प्राप्त नहीं हुआ था। इतनी बड़ी संख्या में डुप्लीकेट प्रवेश-पत्र का वितरण सम्भव नहीं हो सका और उत्पन्न स्थिति के कारण बी०टी०सी० प्रवेश परीक्षा स्थगित करनी पड़ी। चूँकि, राज्य सरकार की यह राय है कि लोक महत्व के निश्चित विषय में अर्थात् मूल प्रवेश-पत्र परीक्षार्थियों तक न पहुँचने की जाँच की जानी आवश्यक है :-

1. अतएव, राज्यपाल महोदय माननीय न्यायमूर्ति (अवकाश प्राप्त) श्री इरशाद हुसैन को एक सदस्यीय जाँच आयोग के रूप में नियुक्त करते हैं।
2. आयोग निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त मामले की जाँच करेगा और अपनी आख्या देगा :
 - (अ) दिनांक 26.02.2006 की बी०टी०सी० प्रवेश परीक्षा आयोजित कराने हेतु परीक्षार्थियों को प्रवेश-पत्र समय से न प्राप्त होने के कारण तथा उत्तरदायित्व का निर्धारण;
 - (ब) भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो इस हेतु सुधारात्मक उपाय एवं सुझाव;
 - (स) कोई अन्य विषय जो इस आयोग के अनुसार इस विषय से सम्बन्धित और आनुभाषिक हो।
3. आयोग का मुख्यालय देहरादून होगा।
4. आयोग इस अधिसूचना के जारी किये जाने के दिनांक से यथासंभव एक माह के अन्दर जाँच पूर्ण करेगा।

आज्ञा से,

डी० के० कोटिया,
सचिव।



सरकारी गजट, उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

रङ्गूकी, शनिवार, दिनांक ११ मार्च, २००६ ई० (फाल्गुन २०, १९२७ शक सम्वत्)

भाग १-क

नियम, कार्य-विधियाँ, आझाएँ, विज्ञप्तियाँ इत्यादि जिनको उत्तरांचल के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया

HIGH COURT OF UTTARANCHAL
AT NAINITAL

NOTIFICATION

March 02, 2006

No. 5/Ins./2006--The Court shall remain closed on 16th and 17th March, 2006 on account of Holi festival but the Court will remain open on 01-07-2006 (Saturday) and 04-11-2006 (Saturday). Registry will also remain closed on 18-03-2006.

By Order of the Court,

Sd/-

V. K. MAHESHWARI,

Registrar General.

उत्तरांचल उच्च न्यायालय, नैनीताल

विज्ञप्ति

०७ फरवरी, २००६ ई०

संख्या ६/XIV/२०/प्रशा० अनु०-अ/२००३-श्री वी०के० माहेश्वरी, महा निबन्धक, उत्तरांचल उच्च न्यायालय, नैनीताल को दिनांक ०२-०२-२००६ का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया गया।

०८ फरवरी, २००६ ई०

संख्या ७/XIV/४९/प्रशा० अनु०-अ/२००३-श्री सी०पी० बिजलवान, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, पीडी गढ़वाल को दिनांक ०६-०१-२००६ से ०४-०२-२००६ तक ३० दिन का अर्जित अवकाश, अवकाश के पूर्व दिनांक ०५-०१-२००६ गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती के अवकाश को प्रिफिक्स एवं अवकाश के पश्चात् दिनांक ०५-०२-२००६ रविवार के अवकाश को सफिक्स करने की अनुमति सहित स्वीकृत किया गया।

08 फरवरी, 2006 ई०

संख्या 8/XIV/44/प्रशा० अनु०-अ/2003-श्री गिरधर सिंह घर्मशक्तु, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, अल्मोड़ा को दिनांक 24-01-2006 से 02-02-2006 तक 10 दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया गया।

08 फरवरी, 2006 ई०

संख्या 9/XIV/45/प्रशा० अनु०-अ/2003-श्री राजेन्द्र सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, नैनीताल को दिनांक 07-01-2006 से 04-02-2006 तक 29 दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया गया।

10 फरवरी, 2006 ई०

संख्या 10/XIV/52/प्रशा० अनु०-अ/2003-श्री राजेन्द्र जोशी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, हरिद्वार को दिनांक 16-11-2005 से 20-11-2005 तक 05 दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया गया।

न्यायालय की आज्ञा से,
80/-
रवीन्द्र मैठाणी,
अपर निबन्धक।

14 फरवरी, 2006 ई०

संख्या 11/XIV/11/प्रशा० अनु०-अ/2003-श्री आर०पी० पाण्डेय, तत्कालीन जिला जज, बागेश्वर को दिनांक 31-01-2006 से 26-02-2006 तक 27 दिन का अर्जित अवकाश, अवकाश पूर्व दिनांक 30.01.2006 रविवार के अवकाश को सम्मिलित करने की अनुमति सहित स्वीकृत किया गया।

14 फरवरी, 2006 ई०

संख्या 12/XIV/37/प्रशा० अनु०-अ/2003-श्री एन०एस० घानिक, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/चतुर्थ त्वरित न्यायालय, देहरादून को दिनांक 23-11-2005 से 22-12-2005 तक 30 दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया गया।

14 फरवरी, 2006 ई०

संख्या 13/XIV/5/प्रशा० अनु०-अ/2003-श्री बी०पी० जसोला, विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट, देहरादून को दिनांक 25-12-2005 से 25-01-2006 तक 32 दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया गया।

14 फरवरी, 2006 ई०

संख्या 14/XIV/36/प्रशा० अनु०-अ/2003-श्री आर०डी० पालीवाल, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/द्वितीय त्वरित न्यायालय, हरिद्वार को दिनांक 16-01-2006 से 30-01-2006 तक 15 दिन का अर्जित अवकाश, अवकाश के पूर्व दिनांक 14-01-2006 एवं 15-01-2006 द्वितीय शनिवार एवं रविवार के अवकाश को प्रिफिक्स करने की अनुमति सहित स्वीकृत किया गया।

14 फरवरी, 2006 ई०

संख्या 15/XIV/74/प्रशा० अनु०-अ/2003-श्री भारत भूषण पाण्डेय, सिविल जज (अवर खण्ड), रामनगर, जिला नैनीताल को दिनांक 28-11-2005 से 09-12-2005 तक 12 दिन का अर्जित अवकाश, अवकाश के पूर्व दिनांक 27-11-2005 रविवार के अवकाश को प्रिफिक्स एवं अवकाश के पश्चात् दिनांक 10-12-2005 एवं 11-12-2005 द्वितीय शनिवार एवं रविवार के अवकाश को सफिक्स करने की अनुमति सहित स्वीकृत किया गया।

14 फरवरी, 2006 ई०

संख्या 16/XIV/25/प्रशा० अनु०-अ/2003-श्री आर०सी० मौलेखी, जिला जज, चम्पावत को दिनांक 08-08-2005 से 18-08-2005 तक 11 दिन का अर्जित अवकाश, अवकाश के पूर्व दिनांक 07-08-2005 रविवार के अवकाश को प्रिफिक्स एवं अवकाश के पश्चात् दिनांक 19-08-2005 रसाबन्धन के अवकाश को सफिक्स करने की अनुमति सहित स्वीकृत किया गया।

20 फरवरी, 2006 ई०

संख्या 17/XIV/41/प्रशा० अनु०-अ/2003-श्री रवीन्द्र मैठाणी, तत्कालीन अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/पंचम तारित न्यायालय, देहरादून को दिनांक 01-08-2005 से 13-08-2005 तक 13 दिन का अर्जित अवकाश, अवकाश के पश्चात् दिनांक 14-08-2005 एवं 15-08-2005 द्वितीय शनिवार एवं रविवार के अवकाश को सफिकस करने की अनुमति सहित स्वीकृत किया गया।

20/21 फरवरी, 2006 ई०

संख्या 18/XIV/25/प्रशा० अनु०-अ/2003-श्री आर०सी० मौलेखी, जिला जज, चम्पावत को दिनांक 21-11-2005 से 30-11-2005 तक 10 दिन का अर्जित अवकाश, अवकाश के पूर्व दिनांक 20-11-2005 रविवार के अवकाश को प्रिफिका करने की अनुमति सहित स्वीकृत किया गया।

न्यायालय की आज्ञा से,
ह०/-
वी०के० माहेश्वरी,
महा निबन्धक।

21 फरवरी, 2006 ई०

संख्या 19/XIV/56/प्रशा० अनु०-अ/2003-श्री घनन्जय वसुर्वेदी, सिविल जज (अवर खण्ड)/न्यायिक मजिस्ट्रेट, लक्सर, जिला हरिद्वार को दिनांक 01-02-2006 से 10-02-2006 तक 10 दिन का अर्जित अवकाश, अवकाश के पश्चात् दिनांक 11-02-2006 एवं 12-02-2006 द्वितीय शनिवार एवं रविवार के अवकाश को सफिकस करने की अनुमति सहित स्वीकृत किया गया।

02 मार्च, 2006 ई०

संख्या 20/XIV/22/प्रशा० अनु०-अ/2003-श्री पी०के० अग्रवाल, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अल्मोड़ा को दिनांक 13-02-2006 से 22-02-2006 तक 10 दिन का अर्जित अवकाश, अवकाश के पूर्व दिनांक 11-02-2006 एवं 12-02-2006 द्वितीय शनिवार एवं रविवार के अवकाश को सम्मिलित करने की अनुमति सहित स्वीकृत किया गया।

न्यायालय की आज्ञा से,
ह०/-
रवीन्द्र मैठाणी,
अपर निबन्धक।

प्रेषक,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं प० क०,
उत्तरांचल, देहरादून।

सेवा में,

उप निदेशक,
मुद्रण एवं लेखन सामग्री,
राजकीय मुद्रणालय, रुड़की
उत्तरांचल।

पत्रांक : 15प/आ०सी०/हॉ०फर्नी०/फर्नीचर/5/2005/5482

दिनांक : 21 फरवरी, 2006 ई०

विषय : हॉस्पिटल फर्नीचर के दर अनुबंध की विज्ञप्ति संख्या 15प/आ०सी०/हॉ०फर्नी०/फर्नीचर/5/2005/27031, दिनांक 08-12-05 में कर ढांचे में परिवर्तन के कारण, संशोधन के सम्बन्ध में।

महोदय,

शासनादेश सं० 1248/चि-3-2002-122/2002, चिकित्सा अनुभाग-3, दिनांक 08-01-2003 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए हॉस्पिटल फर्नीचर के दर अनुबंध 15प/हॉस्पिटल फर्नीचर/27030, दिनांक 08-12-05 के एनेक्सर-बी में निम्न प्रकार संशोधन पड़ा जाय:-

“उत्तरांचल राज्य में दिनांक 01-10-2005 से वैट लागू हो जाने के कारण, दर अनुबन्ध एनेक्जर-बी के कॉलम संख्या 7 (सी०एस०टी०/एस०एस०टी०) में वैट एज ऐपलिकेबिल तथा क्र०सं० 10 (एफ०ओ०आर०) को रेट प्रति यूनिट+वैट एज ऐपलिकेबिल पढ़ा जाये” दर अनुबन्ध की शेष शर्त यथावत रहेंगी।

भवदीय,

आर०सी० आर्य,
महानिदेशक।